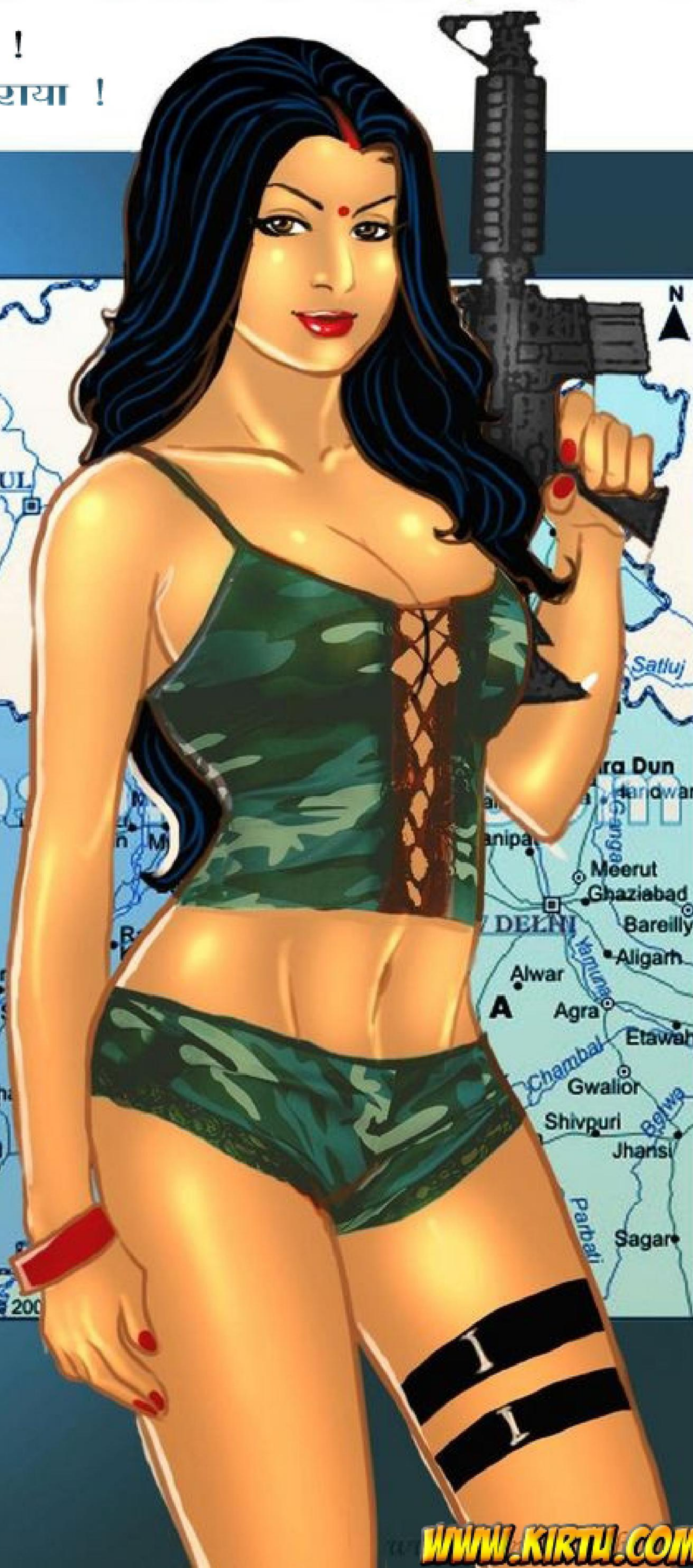


सविता शिमला में !

पुलिस की मदद !
डाकू को गिरफ्तार कराया !





अब अन्य समाचार..
अपुष्ट सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि
कुख्यात डाकू ज्वाला गदर शिमला
में छिपा हो सकता है !



वे वहां जाकर उसे
पकड़ क्यों नहीं लेते? डर के कारण
हमें अपना शिमला का दूर भी
कैसिल करना पड़ा !



इतना आसान नहीं है यह सब..
तुम नहीं समझोगी !



जो भी है..
मैं सोने जा रही हूं..
शुभ रात्रि !

हम्म... इस वक्त मैं शिमला में छुट्टियां मना रही होती.. अगर इस मूर्ख अशोक ने ट्रिप कैंसिल ना किया होता तो ..



वाह..कितना मजा आ रहा है.. मुझे खुशी है कि आखिर हमने शिमला ही आने का निर्णय लिया..



क्या यहां किसी ने
स्कीईंग सीखने के लिए
फार्म भरा है?

हां.. मैने !

वाह.. यह तो
गर्मागर्म भाभी है.. इसे स्कीईंग
सीखाने में मजा आएगा..

हम्म.. मुझे नहीं पता था
कि स्कीईंग प्रशिक्षक इतने
सेक्सी होते हैं ..

अरे.. आपका डण्डा
काफी बड़ा है! क्या मैं इसे
सम्भाल पाऊंगी?

ठीक है मैडम..
इससे आप अपने आप को
संतुलित कर सकती हैं..




अपने पर नियंत्रण रखो अवि..
वो स्कीई की छड़ी की बात कर रही है,
तेरे लण्ड की नहीं...



अच्छा मैडम, पहले मैं
आपको स्कीई पर कैसे खड़ा होना है,
यह बताता हूँ...




नहीं नहीं..
आपको थोड़ा सीधा खड़े होना है..




यह लड़का तो मेरे समीपता का
कुछ ज्यादा ही फायदा उठा रहा है..

क्या फर्क पड़ता है..
छुटियां मनाने आई हूं..
मजे लेती हूं..



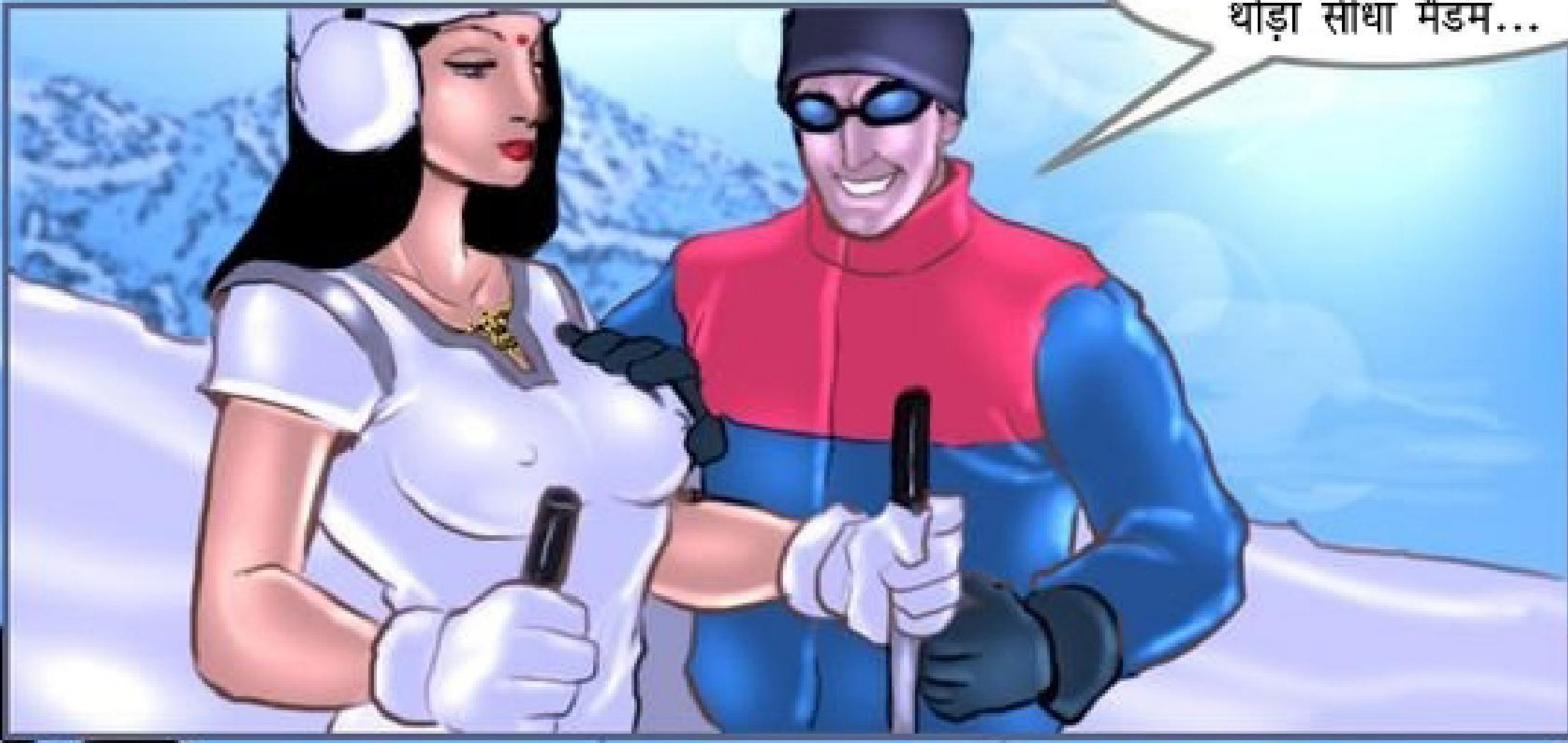
वाह.. इसके वक्ष कितने नर्म हैं..
अवश्य ही इसके चुचूक इस ठण्ड में कड़े
हो गए होंगे..



अरे..! इसकी तो लगभग पूरी ही
चूचियां मेरे हाथों में आ गई हैं..
इससे मेरा खड़ा हो रहा है..

इसके चुचूक छू कर देखता हूं...
ऐसा मौका फिर नहीं मिलेगा..

थोड़ा सीधा खड़े होइए ..
थोड़ा सीधा मैडम...







कामेश.. ?
तुम...?

कामेश सविता को बताता है कि वो असल में छदम वेश में पुलिस के एक विशेष-कार्य दल का अफसर है और वो डाकू ज्वाला गदर के गिरोह में घुस गया है। अब ज्वाला को पकड़ने के लिए उसे सविता की मदद चाहिए। सविता डरती है पर कामेश उसका डर दूर करता है और देश की खातिर यह काम करने के लिए सविता को मना लेता है।

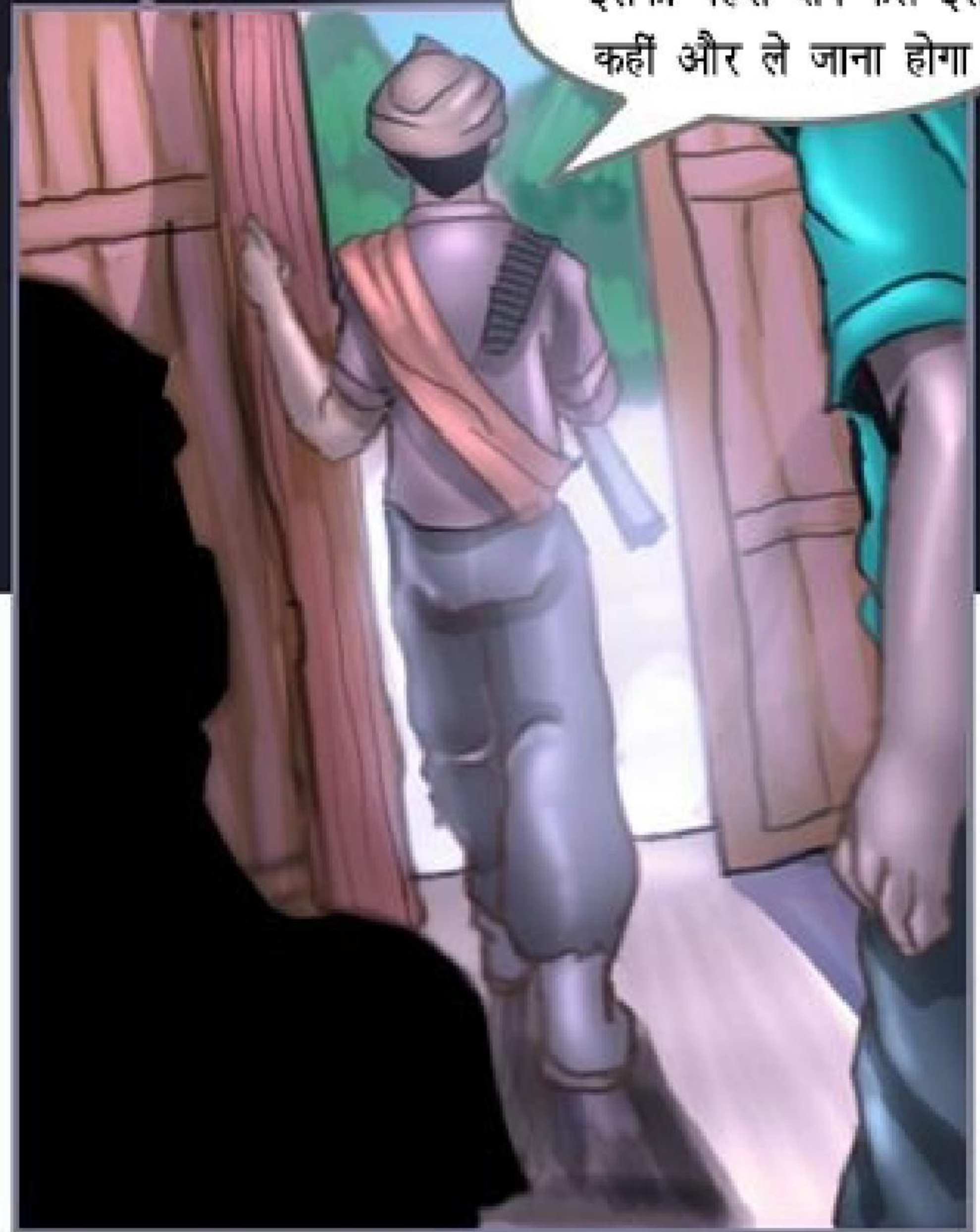






तुम जंगल में
हमारे अड्डे में हो !

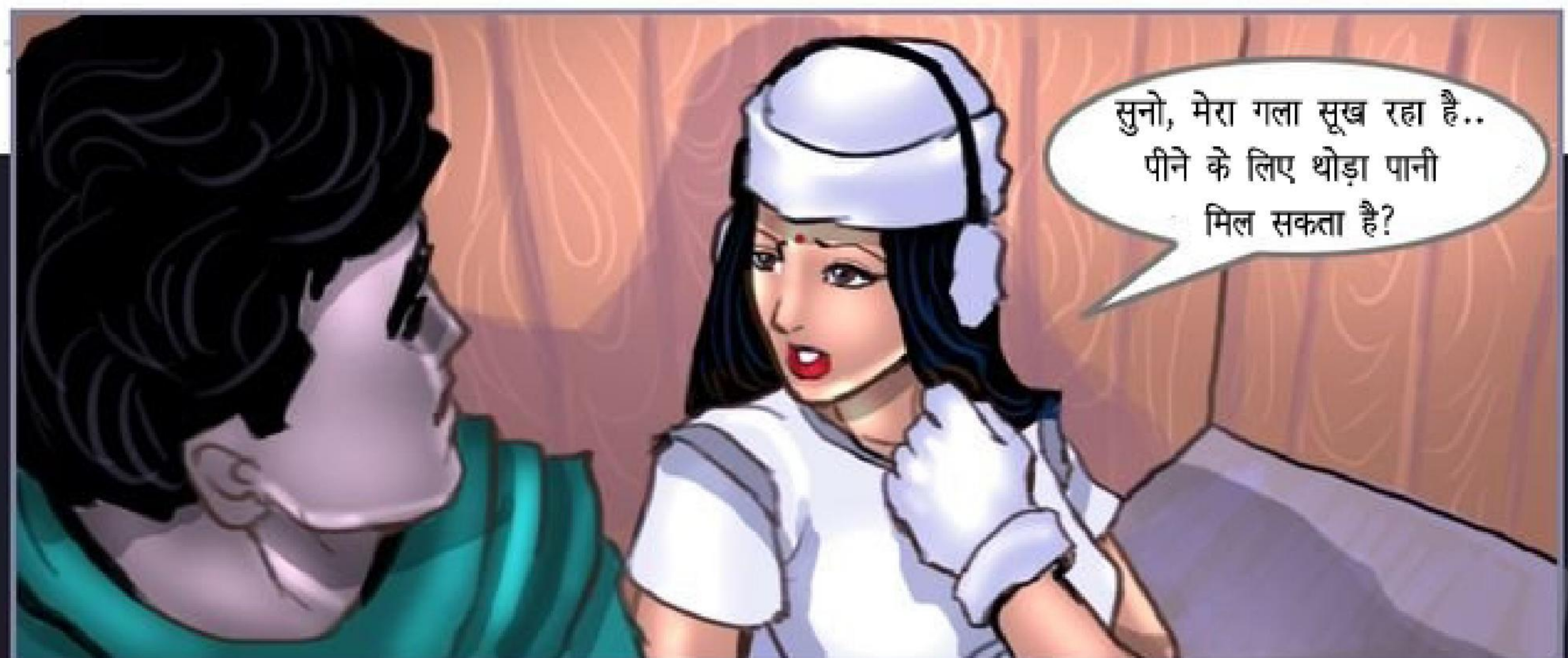
चुप कर मूर्ख !
इसे कुछ मत बताओ !



यहीं रुक कर
इसका पहरा दो। कल इसे
कहीं और ले जाना होगा !



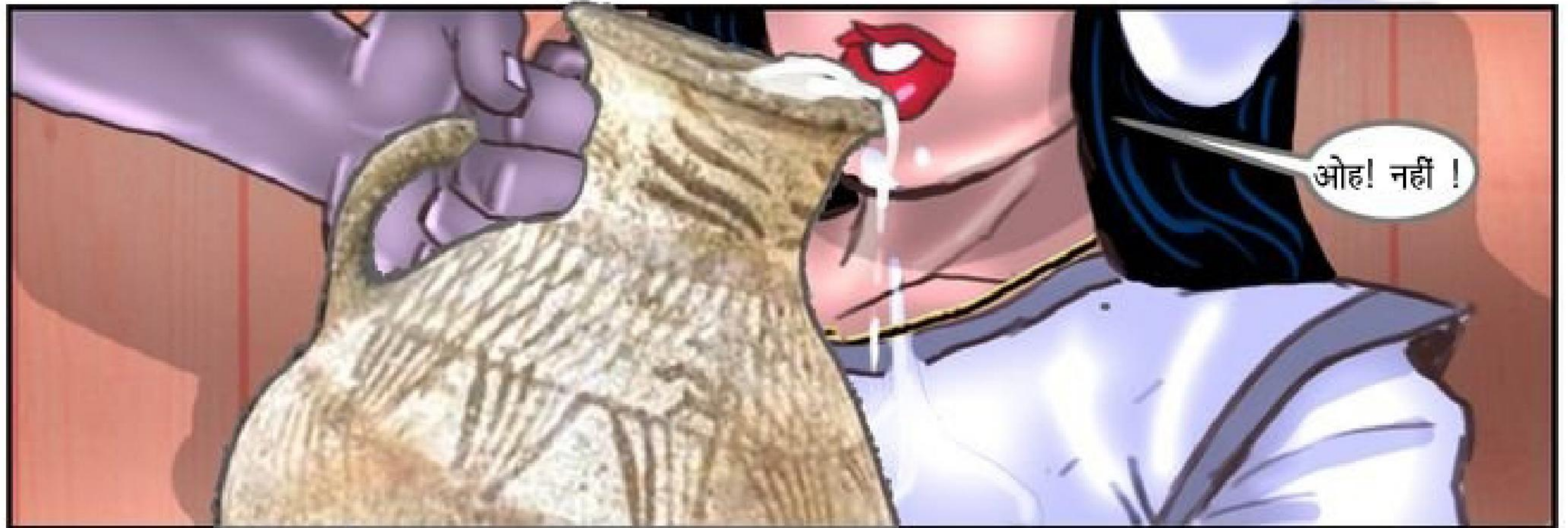
हम्म.. इस छोटे छोकरे से ही
कुछ और जानकारी
मिल सकती है..



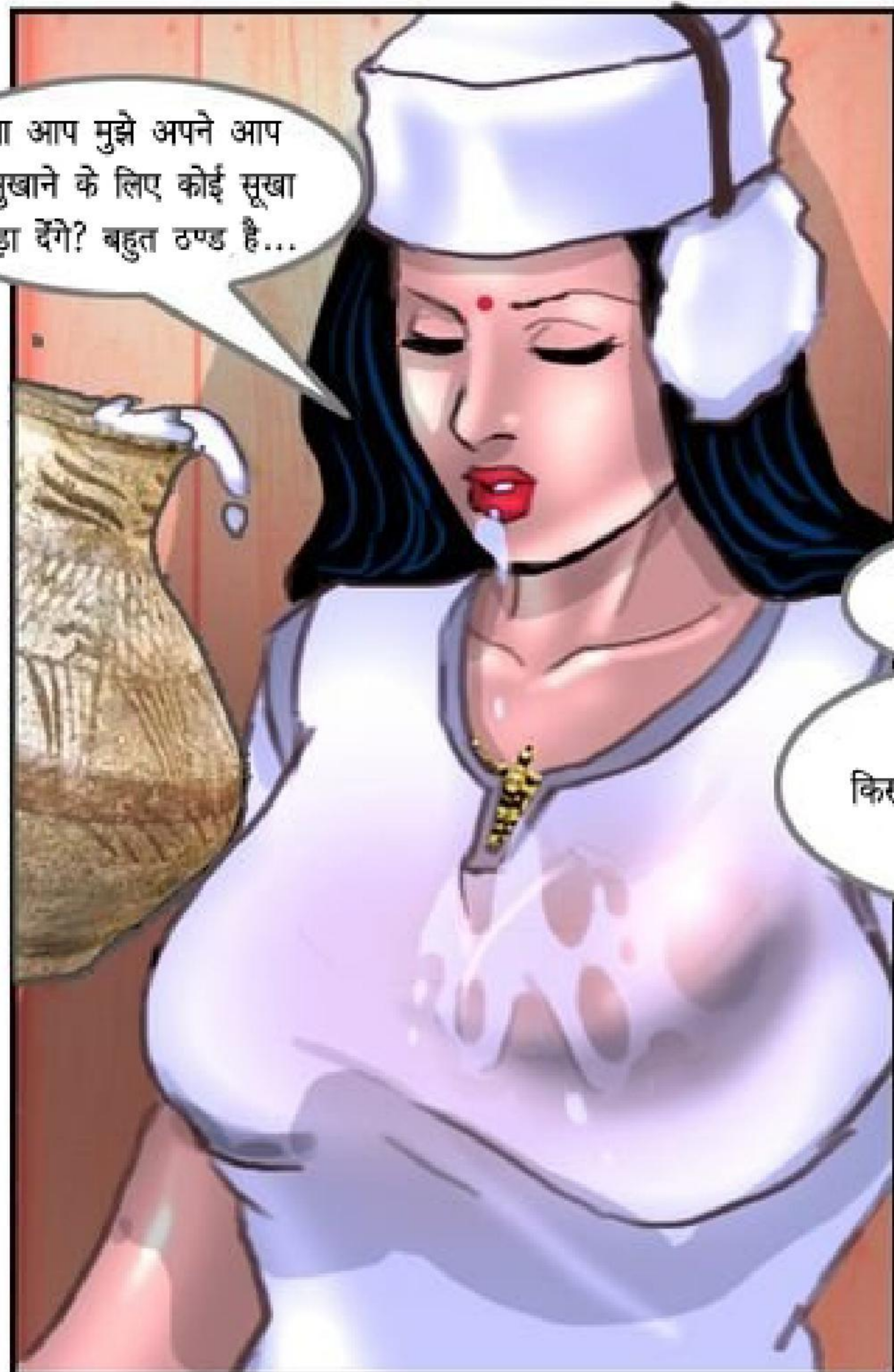
सुनो, मेरा गला सूख रहा है..
पीने के लिए थोड़ा पानी
मिल सकता है?



लो, पानी पियो !



ओह! नहीं !



क्या आप मुझे अपने आप को सुखाने के लिए कोई सूखा कपड़ा देंगे? बहुत ठण्ड है...



इसकी चूचियां दिख रही हैं..

मैं पहनी बार किसी औरत का बदन ऐसे देख रहा हूं..

इसकी नजरें
मेरी चूचियों से हट नहीं रही..

इस मौके का
फायदा उठाती हूँ..



ओह..शुक्रिया..



आ..अ.ह.. !

क..क्या कर रहे हो?





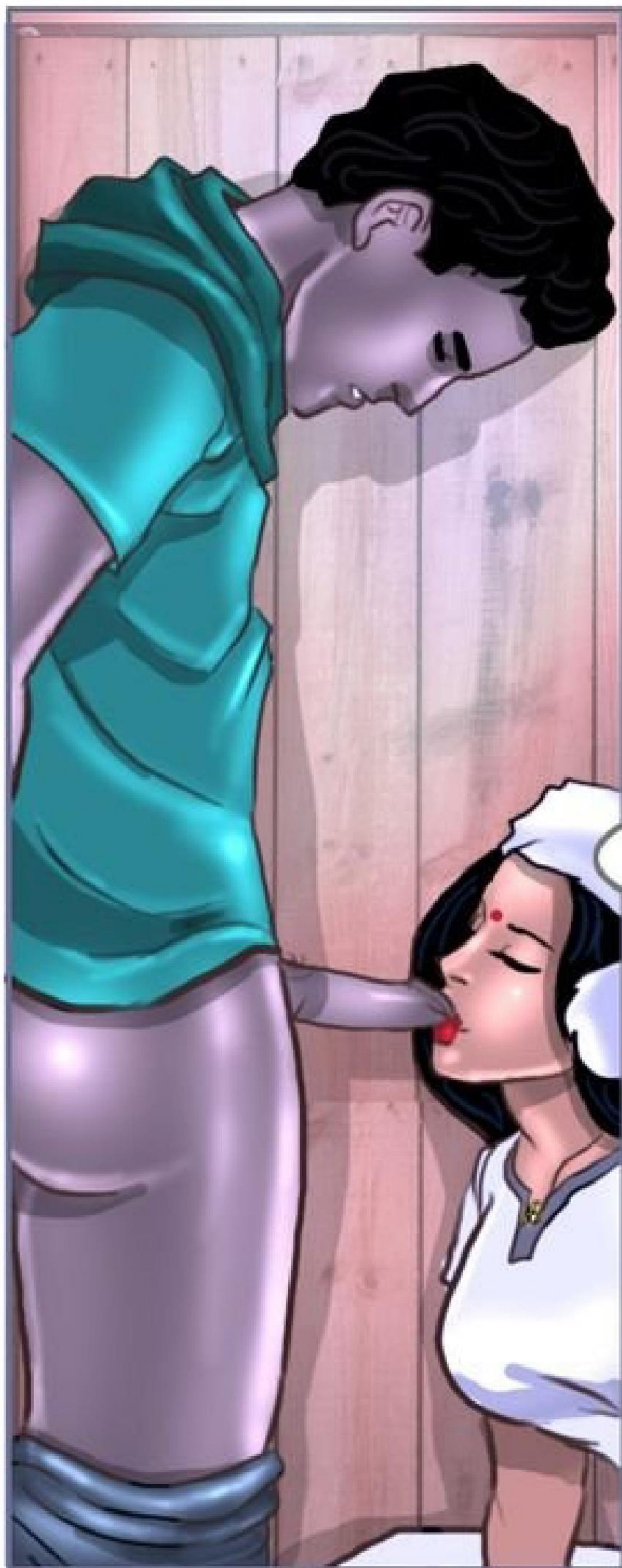
तुमने मेरी कितनी मदद की है..मुझे भी तुम्हारे लिए कुछ करना चाहिए..



पहले तो तुम्हारा लण्ड इस तम्बू से बाहर निकालूं..



अरे.. यह तो उम्मीद से कहीं बड़ा है !
मुंह पूरा भर जाएगा !





मुझे लग रहा है कि
वहां नीचे कुछ हो रहा है,
मेरा लण्ड फट जाएगा..



ओह..हां..!



इसका छुट गया..
इतनी जल्दी?



हे भगवान.. सारा ही वीर्य
मेरे मुंह में भर देगा?

मुझे नहीं लगता कि
मैं सारा रस निगल पाऊंगी..



उम्मं.....
मजा आ गया..



अरे, तुमने तो मेरा मुंह
पूरा ही अपने वीर्य से
भर दिया!

इतना तो
मेरा कभी निकला ही नहीं ..



अब यह आराम से बैठा है, ऐसा ही मैं चाहती थी..
अब इससे कुछ जानकारी उगलवाई जाए..





हां तो बताओ..

मैं खबरों में सुनती रहती हूँ कि भयानक डाकू ज्वाला इसी इलाके में है ! क्या यह सच है?



उपर जंगलों में उसका अड्डा है, यहां से ज्यादा दूर नहीं है !

मुझे तुम्हें ये सब नहीं बताना चाहिए, मैं फंस सकता हूँ..

अरे..सुन ..



गब्बर तुझे ढूँढ रहा है ! जल्दी जा..



तुम्हें कुछ पता चला?

पता चला है कि
उपर जंगलों में उसका
अड्डा है,

हमें किसी तरह
वहां पहुंचना होगा !



ठीक है, मैं देखता हूँ कि
हमें वहां भेज दिया जाए..

लेकिन वहां पहुंचने पर
सारा काम तुम पर होगा !



उसी राम सविता की आंखों पर पट्टी बांध कर उसे जीप से
ले जाया गया। जब पट्टी खुली तो वो जंगल के बीच एक
कपड़े के तम्बू में थी।

बाहर जाकर
देखना चाहिए..



आसपास घूम लो लेकिन
भागने की कोशिश मत करना..

इस जंगल से जिंदा
बाहर नहीं निकल पाओगी





मैंने विशेष-कार्य दल को बुला लिया है..
वे अड्डे के बाहर ही हैं

लेकिन ज्वाला कड़ी सुरक्षा में है,
हम नहीं चाहते कि मुठभेड़ में वो गोलियों की
बौछार की आड़ में वो भाग जाए.

तुम्हें उसे उसके पहरेदारों से दूर,
अड्डे से बाहर लाना है.



मैंने ज्वाला को उस तरफ
देखा है.

तुम वहां जाओ..



हे भगवान..
वो भयानक डाकू ज्वाला है !



क्या आप
ज्वाला गदर हैं?

ऐ.. तू रुक जा..



बहुत दिनों से
कोई औरत नहीं देखी
और वो भी
इतनी गर्मागर्म

इसे आने दो

हां, मैं ही मशहूर डाकू
ज्वाला गदर हूँ !

तीन राज्यों की पुलिस मेरे पीछे है,
लेकिन वो मुझे कभी पकड़
नहीं पाएंगे!



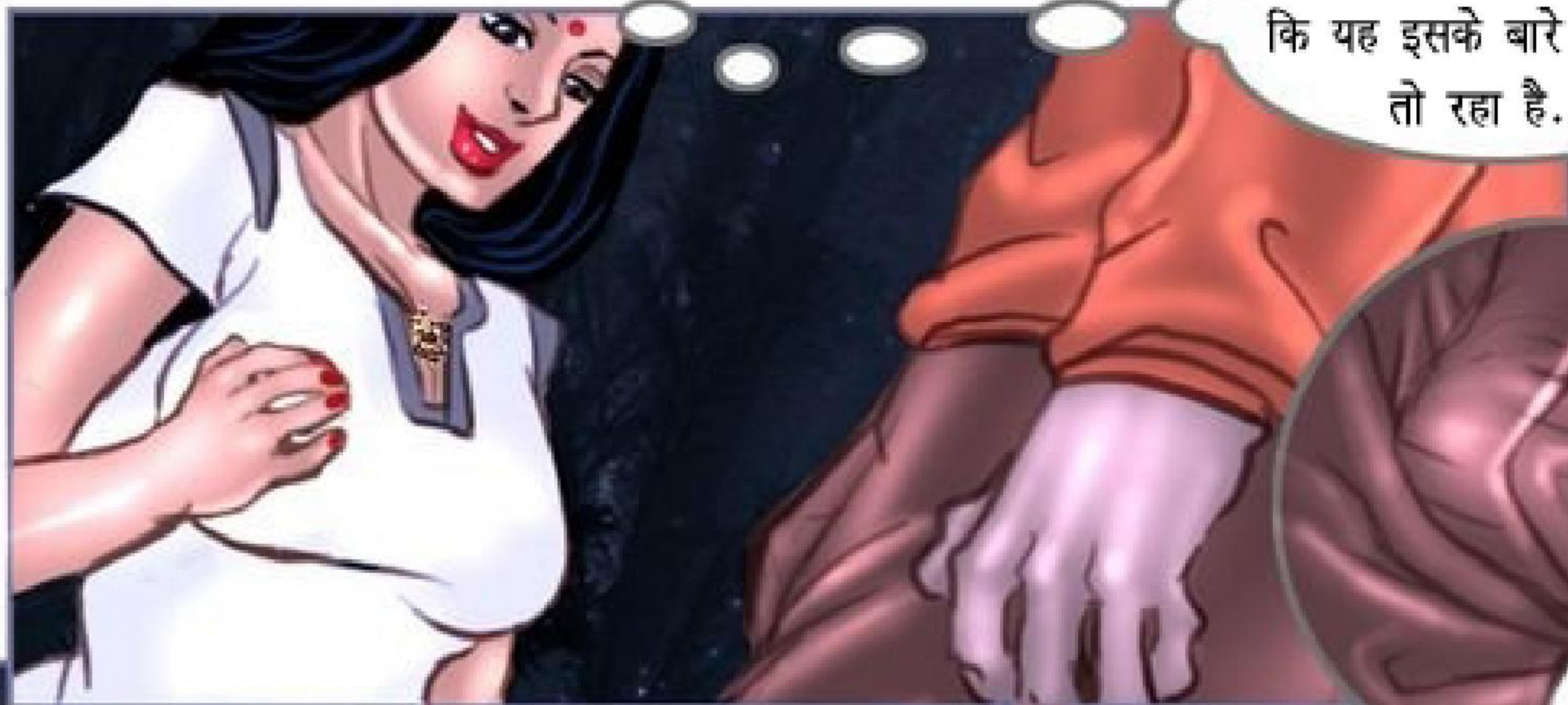
इसे अपने उपर बहुत
घमण्ड है. इसे जल्दी पकड़वाने के
लिए अपने
हुस्न के जलवे दिखाती हूँ..



तुम्हें यहां अकेलापन नहीं लगता
किसी औरत के बिना?



मेरे पास इन कामों के लिए वक्त नहीं है!

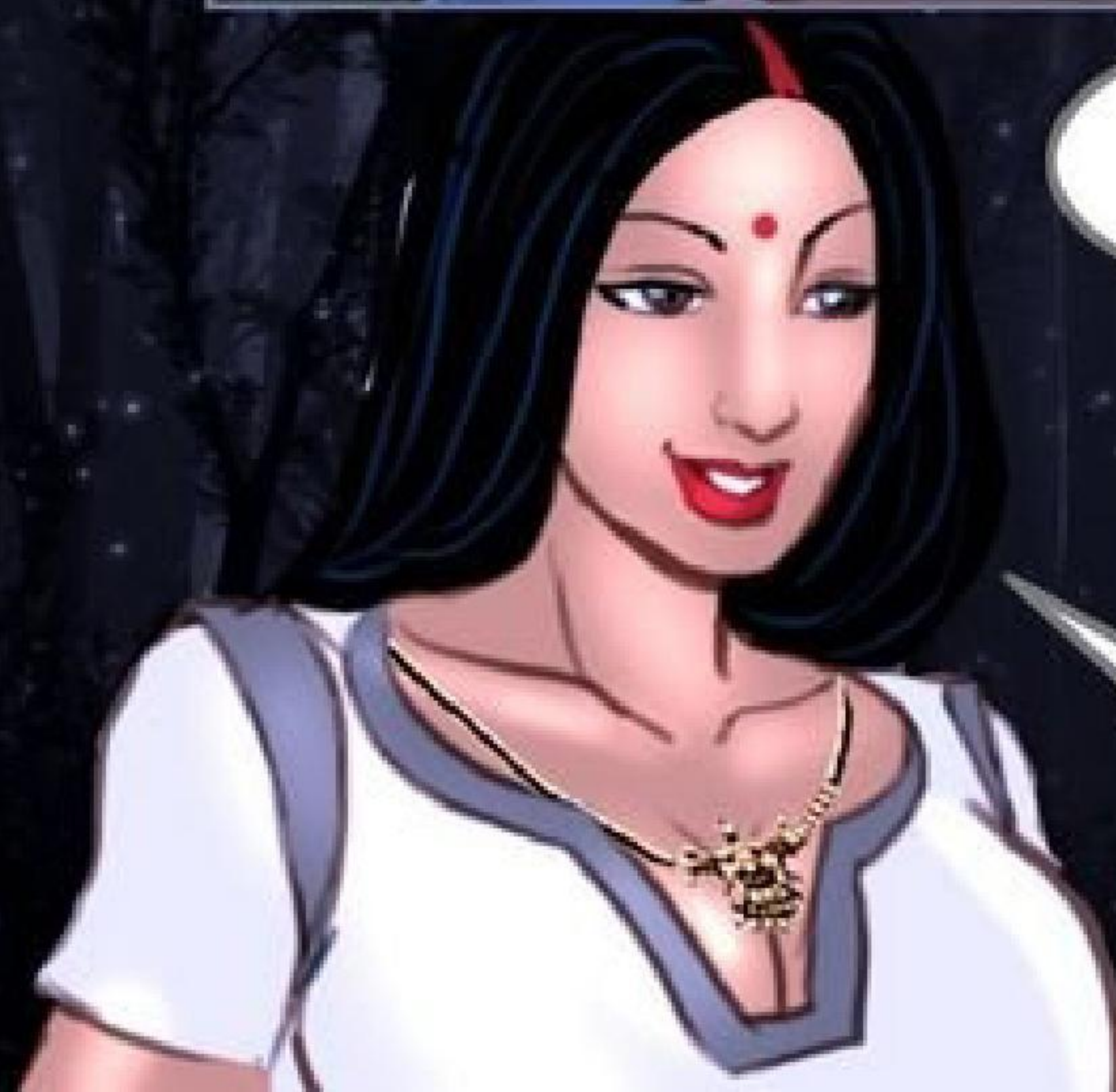


हम्मं.. लगता है कि यह इसके बारे में सोच तो रहा है..

हम्मं.. इतने मजबूत कन्धे और बाजू.. मुझे लगता है कि आप दूसरे कामों में भी जोरदार होंगे..



बिल्कुल ! मैं भारत का सबसे ताकतवर और बहादुर डाकू हूं..



हां बिल्कुल ! लेकिन मेरा वो मतलब नहीं था..

मैं हमेशा से आप जैसे किसी बड़े ताकतवर आदमी के साथ होना चाहती थी..

खासकर इतने मशहूर..



क्या मतलब है तेरा?

शायद आपको पता है कि मैं क्या कह रही हूँ..



यह औरत मुझे पागल कर रही है! इसमें कोई जादू है!

लेकिन यहां अड्डे में अपने आदमियों के सामने कुछ नहीं कर सकता !

मुझे पता है कि यह आम बात नहीं है, लेकिन असल में अब मेरी वासना भड़क गई है.. खासकर आपकी पैट में उभरी चीज का आकार देख कर ! लगता है आप भी..

मैं.. उम्मं..!



सुनो, मुझे पता है कि हम यहीं कुछ नहीं कर सकते। आप अपने पहरेदारों से कह दो कि आप थोड़ा घूमना चाहते हैं।

मुझे जंगल में ले चलो, मैं आपको दिखाती हूँ कि एक औरत आपके लिए क्या कर सकती है..

ठीक है.. रुको !

अरे वाह ! मैंने कर दिखाया !

जैसे ही यह मुझे बाहर ले जाएगा, पुलिस इसे पकड़ लेगी और मैं आजाद.. !

आओ, मैं तुम्हें अपने बारे में और बताता हूँ!



हम इसके अड्डे से बाहर हैं,
पुलिस यहीं कहीं होनी चाहिए..



हां, अब दिखा
तेरे पास क्या है?

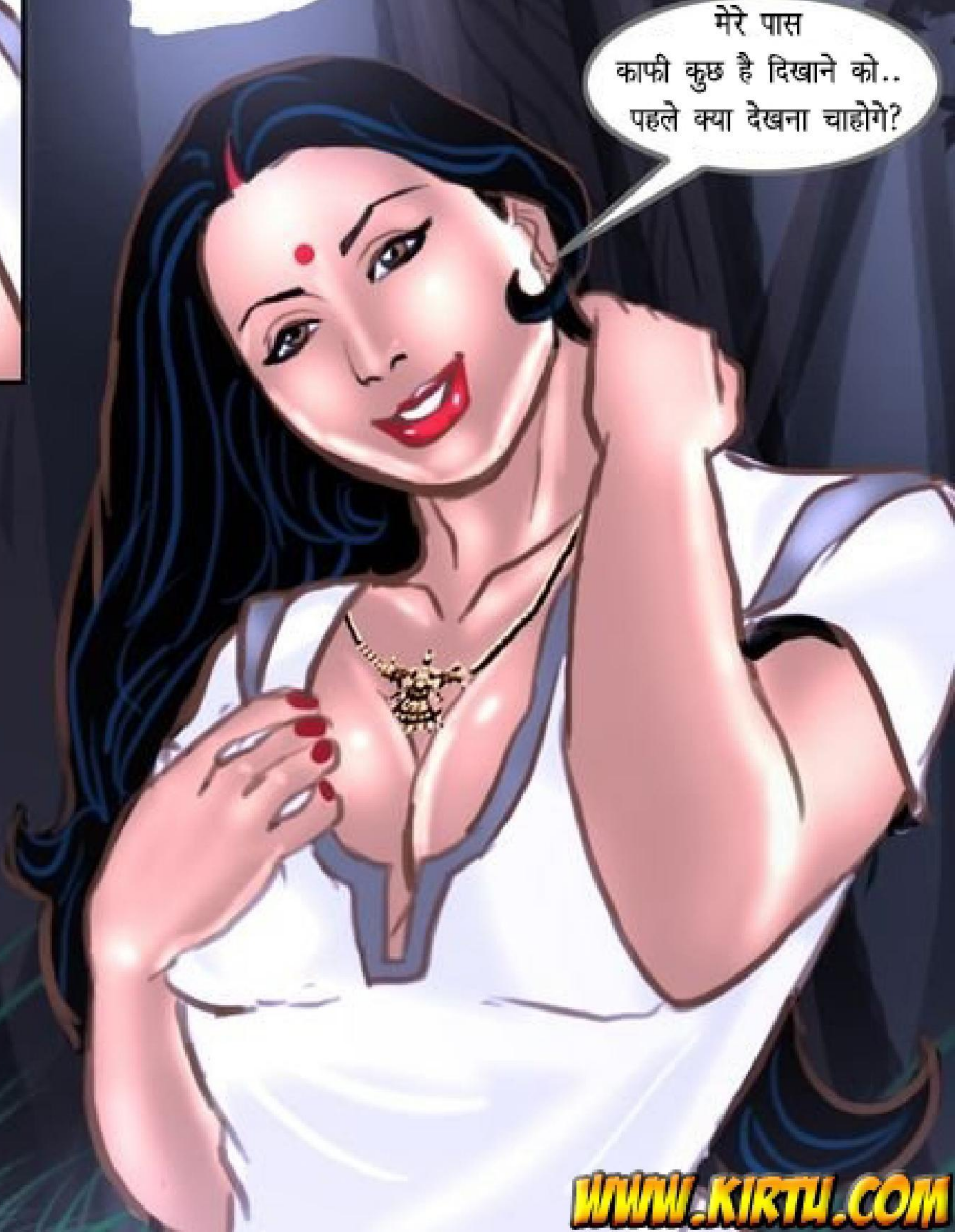
अब मैं तेरे सपने
पूरे करता हूं..

पुलिस के जवान
कहां गए?



ओह.. मैं भूल गई थी कि
हर हिन्दी फिल्म में पुलिस
देर से आती है !

मुझे कुछ वक्त
निकालना होगा और इसे
यहां रोकना होगा !



मेरे पास
काफी कुछ है दिखाने को..
पहले क्या देखना चाहोगे?



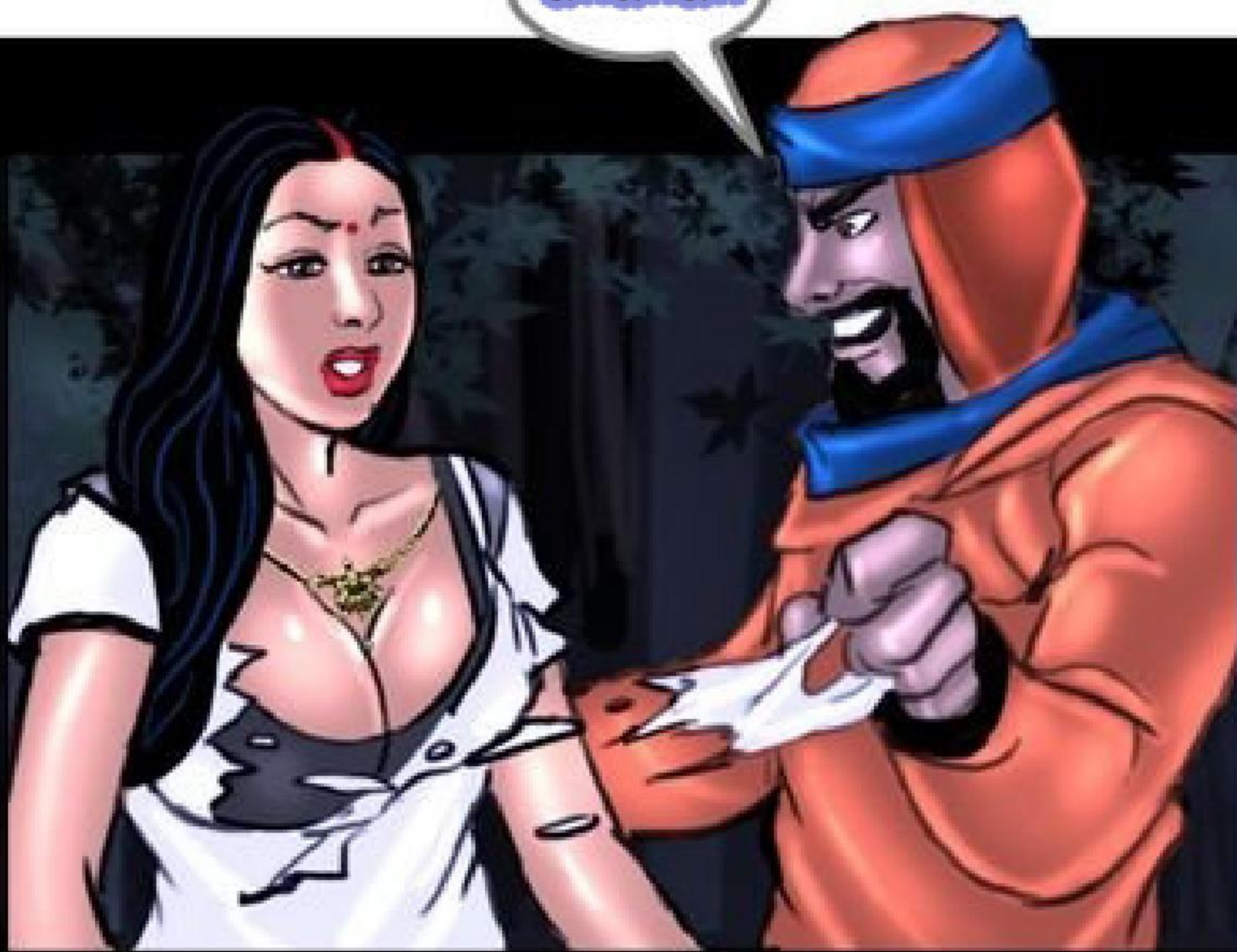
आह..
कितने नर्म !



ओह !
यह आदमी तो बिल्कुल
जंगली है...

शायद बरसों से जंगलों में
रहने से इसका यह हाल हुआ है..

हा..ही..ही..



हा..ही..ही..



यह तो अपने को
सम्भाल ही नहीं पा रहा.

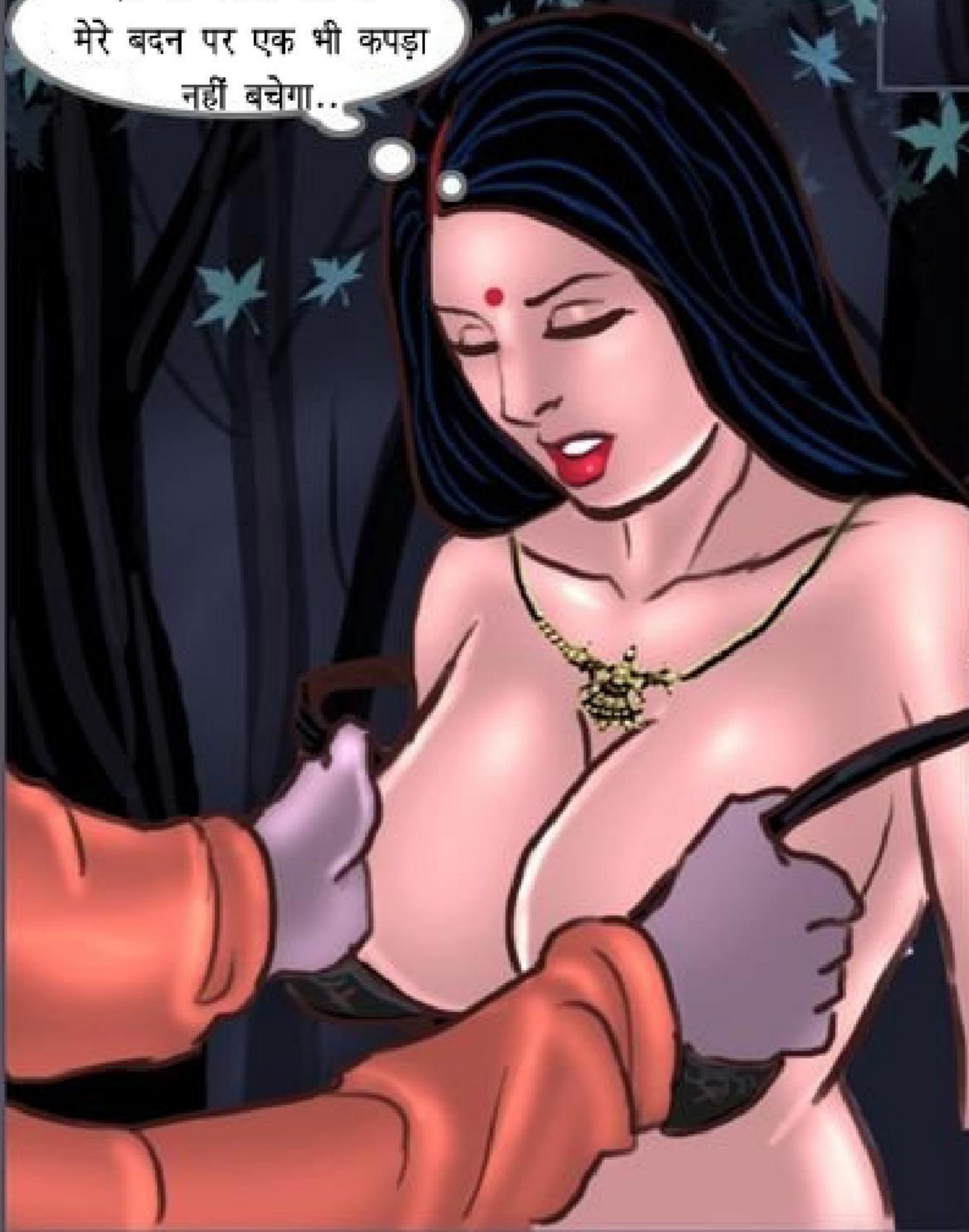


आ..इ..ई, दर्द होता है..



ऐसे ही चलता रहा तो मेरे बदन पर एक भी कपड़ा नहीं बचेगा..

हम्मं.. मजेदार.....





अब क्या..?

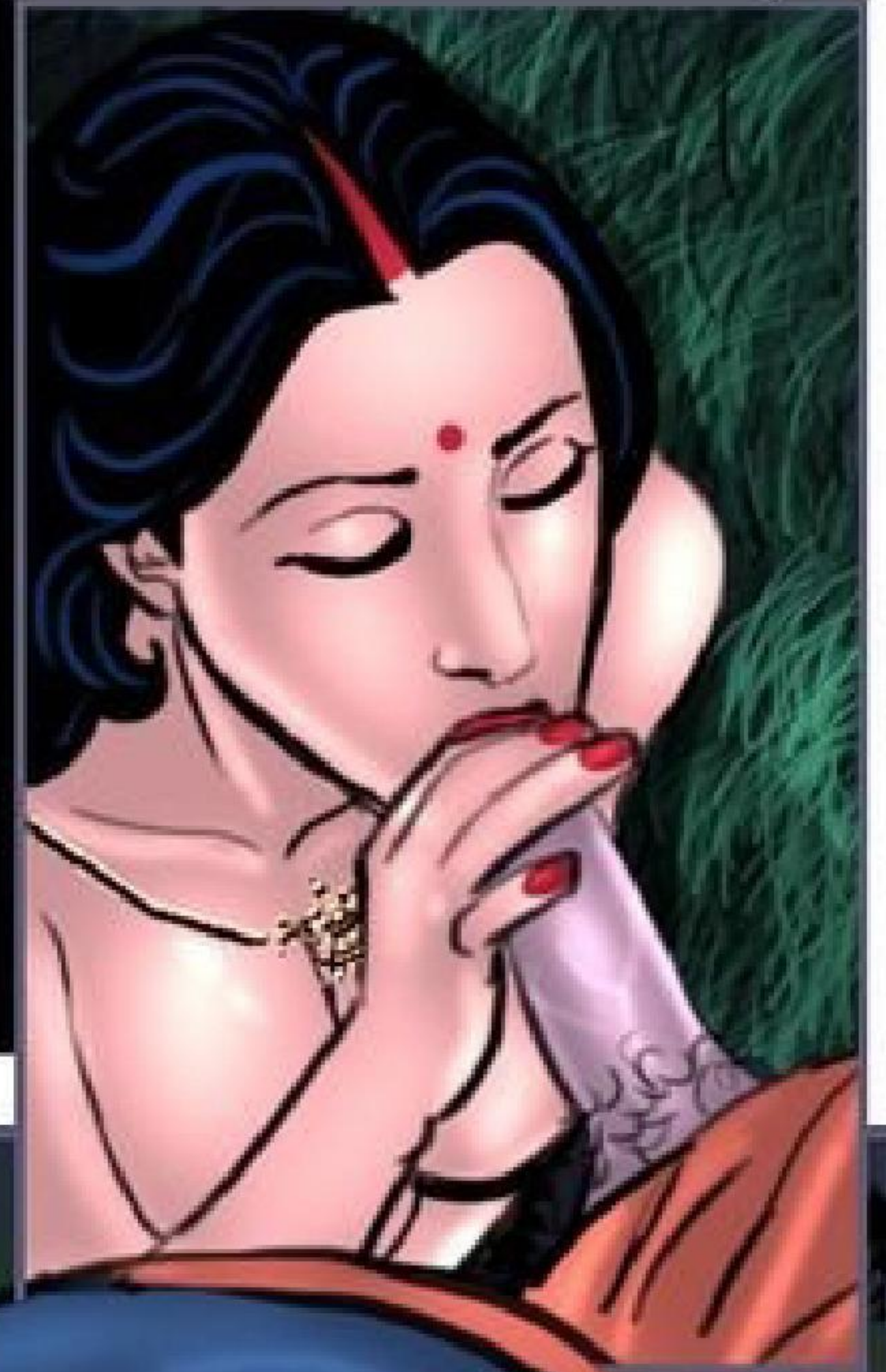
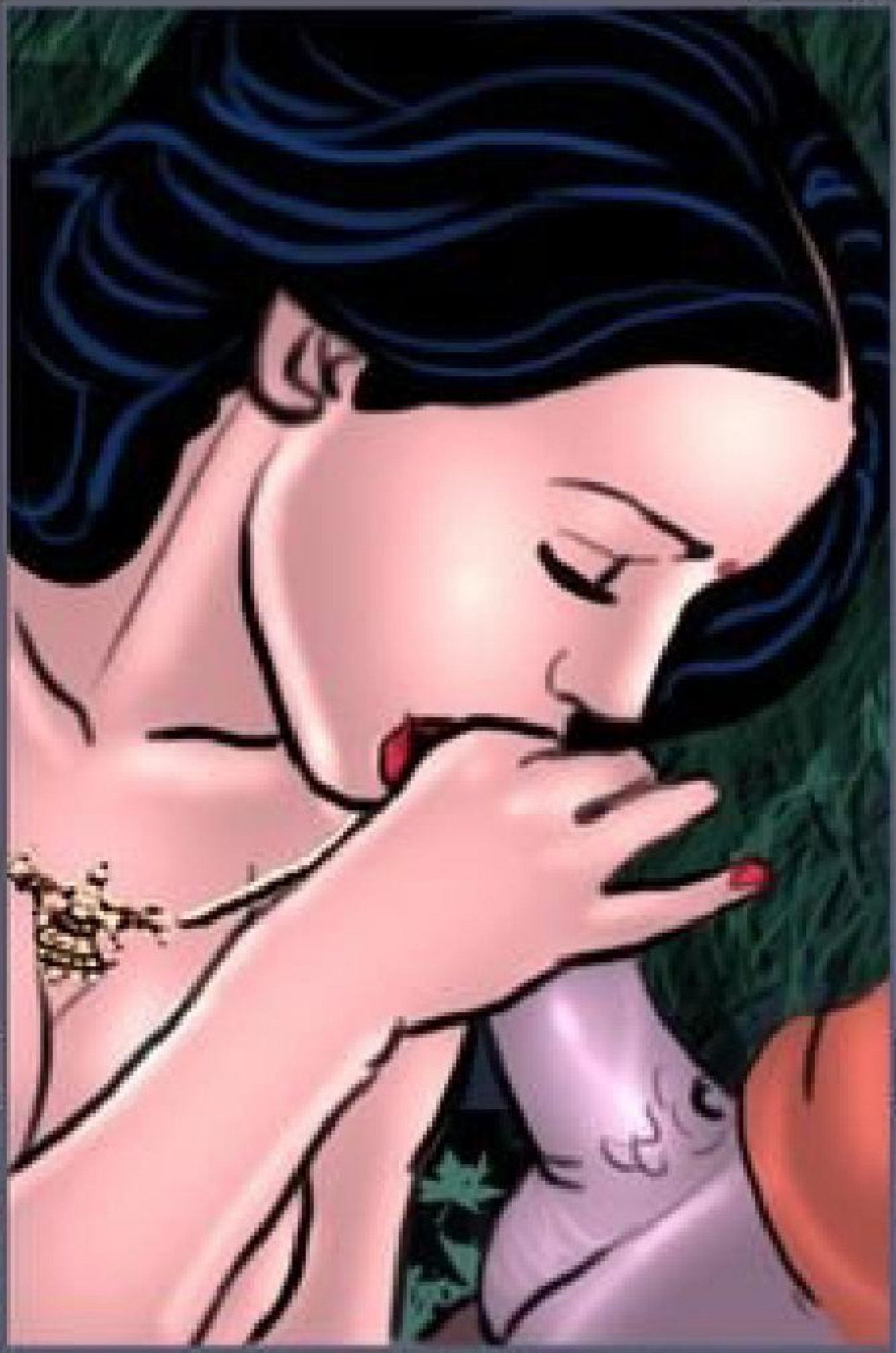


इसे तू
अपने मुंह में ले ..

यह जैसा कहता है,
वैसा करती हूं,
पुलिस आती ही होगी..

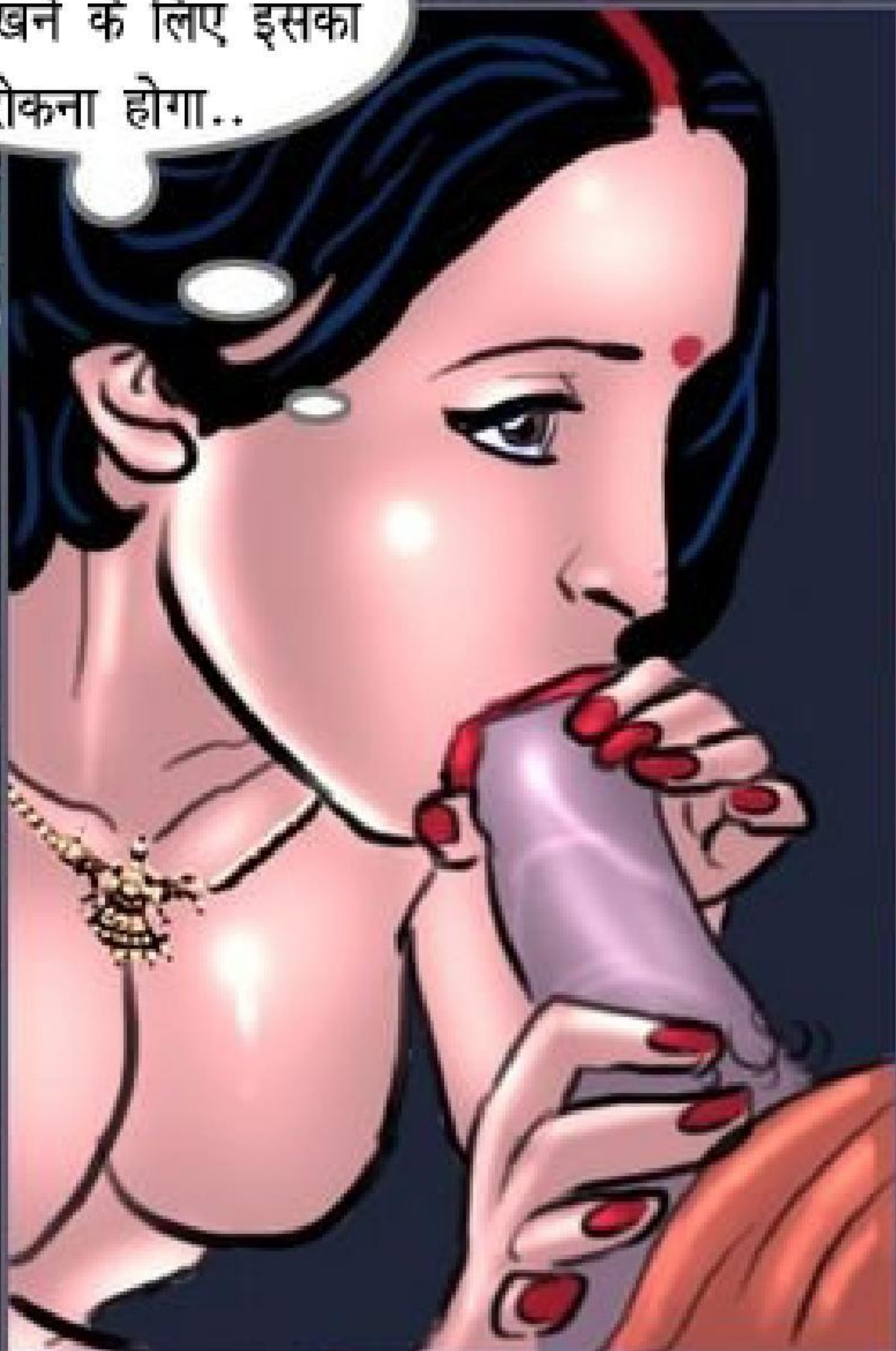


हां..आं.
अं..



य.अ..आ..ह..
मेरा छुट रहा है...

अरे नहीं ! इसे यहां
रोके रखने के लिए इसका
रोकना होगा..



रुको.. !
अभी मत निकलने दो..

क्या आप मुझे चोदेंगे नहीं?
मेरी चूत आपके मोटे लम्बे लौड़े
का इंतजार कर रही है!



हां.. जल्दी से
अपने कपड़े उतार !
मैं तुझे दिखाऊं कि असली आदमी
कैसे चोदता है !

यह क्या कर रहा है?



आओ ! चोदो !
मेरी चूत आपकी ही है !



आ..ह..
आपने तो एक बार में ही
मेरी चूत में घुसा दिया !



ओह.. ! चौदो !
जोर से चौदो !

अ.अरे ! छुट जाएगा !

इसको जमीन पर लिटा कर
इसकी अच्छी तरह चुदाई करता हूं !



OOOOO OOOOOO OOOOOO OHHHHHHH

AAAAA AAAAAA AAAAAA AAAAAAAAAA



हां..मं..!
छुट रहा है..

आ.हह..
ले ज्वाला का बीज अपने
अंदर ले ले !

हम्मं.. यह अब तक की
सबसे बढ़िया चुदाई रही..

असल में यह तेरी
जिंदगी की आखिरी चुदाई है..



भाभीजी ! उठो !

मनोज ! तुम यहां
क्या कर रहे हो?



भाभीजी ! उठो ! जागो !

ओ.ह.! तो यह एक और
मस्त सपना था ..!?

अब मेरी ज्वाला
का क्या होगा?

भाभीजी, साब का फोन था,
वे थोड़ा देर से आएंगे !

ठीक है मनोज,
तुम तेल लेकर आओ !

मालिश हो जाए !
और इस बार खड़े होकर.....!